www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

UPSC CSE 2019 MAINS PAPER 6 SEPTEMBER 29, 2019 PHILOSOPHY OPTIONAL PAPER - I QUESTION PAPER

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–I)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द-सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लघु उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5 = 50

(a) अपने 'गुफा-रूपक' के द्वारा प्लेटो क्या सिद्ध करना चाहते हैं?
What does Plato want to prove by his 'Allegory of Cave'?

(b) क्या हुस्सर्ल द्वारा विभ्रांति को एक साभिप्राय क्रिया माना जा सकता है? व्याख्या कीजिए।
Can hallucination be regarded as an intentional act by Husserl? Explain.

(c) हेगेल के दर्शन में, सत्य की प्राप्ति में, द्वन्द्वात्मक पद्धति की क्या भूमिका है?
What is the role of dialectics in realizing the truth in Hegel's philosophy?

(d) स्वयं एवं ईश्वर से भिन्न अन्य वस्तुओं की सत्ता को देकार्त किस प्रकार सिद्ध करते हैं? विवेचना कीजिए।
How does Descartes prove the existence of things other than himself and God? Discuss.

(e) संश्लेषणात्मक-विश्लेषणात्मक विभेद के विरुद्ध क्वाइन के तर्कों की व्याख्या कीजिए।
Explain Quine's arguments against synthetic-analytic distinction.

2. *(a)* तार्किक प्रत्यक्षवादी सामान्य कथनों के अर्थ का विवरण किस प्रकार देते हैं? क्या वही विवरण तत्त्वमीमांसीय कथनों पर भी लागू किया जा सकता है? विवेचना कीजिए।
How do the logical positivists account for the meaning of general statements? Can the same account be applied to metaphysical statements? Discuss. 20

(b) अरस्तू के अनुसार, द्रव्य में विकासवादी परिवर्तनों के कारण क्या हैं? विवेचना कीजिए।
What are the reasons for developmental changes in substance according to Aristotle? Discuss. 15

(c) स्पिनोज़ा के इस कथन का क्या तात्पर्य है कि जो है, वह उसके अतिरिक्त कुछ और नहीं हो सकता है? व्याख्या कीजिए।
What do you understand by Spinoza's statement that what is, cannot be other than what it is? Explain. 15

3. *(a)* क्या हेडेगर के लिए डेज़ाइन प्रामाणिक सत्ता है? वे डेज़ाइन को किस प्रकार कालिकता से संबद्ध करते हैं? विवेचना कीजिए।
Is Dasein authentic existence for Heidegger? How does he relate temporality with Dasein? Discuss. 20

(b) दर्शाइए कि विटगेन्सटाइन की अहंमात्रवाद की मीमांसा का चरमोत्कर्ष किस प्रकार निजी भाषा की मीमांसा में हो जाता है।
Show how Wittgenstein's critique of solipsism culminates in the critique of private language. 15

(c) क्या कारण है कि मूर के दर्शन को सामान्य बुद्धि वास्तववाद कहा जाता है?
Why is Moore's philosophy called common-sense realism? 15

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

4. *(a)* देश एवं काल के अनुभवातीतता के लिए कान्ट किस प्रकार तर्क प्रस्तुत करते हैं? विवेचना कीजिए।
How does Kant argue for the transcendence of Space and Time? Discuss. 20

(b) क्या ह्यूम के अनुसार कारण-संबंधों में कोई अनिवार्यता का तत्त्व होता है? विवेचना कीजिए।
Is there any element of necessity in causal relations according to Hume? Discuss. 15

(c) चयन-स्वातंत्र्य और नियतिवाद की समस्या को सार्त्र किस प्रकार देखते हैं? व्याख्या कीजिए।
How does Sartre look at the problem of freedom of choice and determinism? Explain. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लघु उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Write short answers to the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) वैशेषिक दर्शन में, पदार्थ के रूप में अभाव की स्थिति का औचित्य बताइए।
Justify the status of *Abhāva* as a category in Vaiśeṣika philosophy.

(b) योगाचार बौद्ध बाह्य जगत् के अस्तित्व का खण्डन किस प्रकार करते हैं? चर्चा कीजिए।
How do the Yogācāra Buddhists deny the existence of the external world? Discuss.

(c) जब चार्वाक मानते हैं कि अनुमान ज्ञान का एक स्रोत नहीं है, तब क्या वे संगत होते हैं? चर्चा कीजिए।
Are the Cārvākas consistent when they hold that inference is not a source of knowledge? Discuss.

(d) सांख्य दर्शन के अनुसार, जीव और पुरुष की तत्त्वमीमांसीय स्थिति का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए।
Critically discuss the metaphysical status of a *Jīva* and a *Puruṣa* according to Sāṅkhya philosophy.

(e) मीमांसा किस प्रकार वैदिक ज्ञान की प्रामाणिकता को स्थापित करता है?
How does Mīmāṁsā establish the authority of Vedic knowledge?

6. *(a)* जैन दर्शन यथार्थता को किस प्रकार परिभाषित करता है? यथार्थता की यह थियोरी उनके निर्णयों की दृष्टि में किस प्रकार प्रतिबिम्बित होती है? चर्चा कीजिए।
How is reality defined by the Jainas? How is this theory of reality reflected in their view on judgements? Discuss. 20

(b) अन्यथाख्याति की व्याख्या करने में ज्ञानलक्षण-प्रत्यक्ष की क्या भूमिका है?
What is the role of *Jñānalakṣaṇa pratyakṣa* in explaining *Anyathākhyāti*? 15

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(c) चार्वाक के अनुसार निम्नलिखित युक्ति में क्या दोष है?

सभी मनुष्य मरणशील हैं।

सुकरात एक मनुष्य है।

इसलिए सुकरात मरणशील है।

अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए।

What is wrong according to the Cārvākas with the following argument?

All men are mortal.

Socrates is a man.

Therefore, Socrates is mortal.

Justify your answer with arguments. 15

7. *(a)* उदयन किस प्रकार कार्यात्, आयोजनात्, धृत्यादे: और श्रुते: के द्वारा ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करते हैं? विवेचना कीजिए।

How does Udayana prove the existence of God through *Kāryāt*, *Āyojanāt*, *Dhṛtyādeḥ* and *Śruteḥ*? Discuss. 20

(b) योग दर्शन किस प्रकार एक वैज्ञानिक, एक ईश्वरज्ञान-संपन्न भक्त और एक आत्मज्ञान-संपन्न योगी के चित्त-स्तरों को समझेगा? अपने उत्तर के लिए तर्क दीजिए।

How would Yoga philosophy comprehend the *Citta*-levels of a Scientist, a God realized Devotee and a Self realized Yogī? Justify your answer. 15

(c) प्रतीत्यसमुत्पाद क्या है? प्रत्येक वस्तु की क्षणिकता सिद्ध करने हेतु बौद्ध इस संकल्पना का किस प्रकार अनुप्रयोग करते हैं?

What is *Pratītyasamutpāda*? How do the Buddhists apply this concept to prove that everything is momentary? 15

8. *(a)* अद्वैतवाद के तत्त्वमीमांसीय निरपेक्षवाद के तार्किक परिणामों की व्याख्या कीजिए।

Explain the logical consequences of the metaphysical absolutism of Advaitism. 20

(b) अरविन्द के दर्शन की तत्त्वमीमांसीय योजना में अतिमानस की अद्वितीय स्थिति की व्याख्या कीजिए।

Explain the unique position of the Supermind in the metaphysical scheme of Aurobindo's philosophy. 15

(c) प्रकृति के अस्तित्व के लिए सांख्य का कौन-सा प्रमाण वास्तव में दर्शाता है कि प्रकृति केवल एक ही हो सकती है? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क दीजिए।

Which Sāṅkhya proof for the existence of *Prakṛti* actually shows that there can be only one *Prakṛti*? Justify your answer. 15

* * *